भगवत जिन महाअर्चना का ऐतिहासिक महोत्सव

त्रिदिवसीय वेदी प्रतिष्ठा एवं जिन बिम्ब स्थापन महोत्सव

दिनांक 06 से 08 जुलाई 2024

स्थान : १००८ श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बंगवासी, हावड़ा

:: मंगल सान्निध्य ::

:: मंगल आशीर्वाद ::

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज — आचार्य श्री 108 वर्द्धमानसागरजी महाराज — आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज — आचार्य श्री समयसागरजी महाराज — श्रमणोपाध्याय श्री विभंजनसागरजी मुनिराज — गणिनी आर्यिकाश्री विशाश्री माताजी

महोत्सव के अमूल्य क्षण

उदय उत्सव
शनिवार, 06 जुलाई 2024

प्रातः 6.00 बजे	:	नित्याभिषेक शांतिधारा
प्रातः 6.30 बजे	:	मंगल ध्वजारोहण तत्पश्चात घटयात्रा (सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा)
प्रातः 8.00 बजे	:	मंदिर शुद्धि, वेदी शुद्धि, दिव्य औषधियों से प्रोक्षण विधि, दिव्य अष्टावतरण, वेदी संस्कार, आच्छादन
प्रातः 9.30 बजे	:	सकलीकरण, अंगन्यास, जाप संकल्प, जाप्यानुष्ठान प्रारंभ
दोपहर 1.00 बजे	:	भगवान पार्श्वनाथ मूलनायक प्रतिमा के पंच संस्कार, शुद्धि, 100 पद जीर्णोद्धार वास्तु एवं चतुर्दिक्षु होम
सायं 7.00 बजे	:	मंगल आरती, शास्त्र स्वाध्याय एवं नियोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिव्य आराधना
रविवार, 07 जुलाई 2024

प्रातः 5.30 बजे	:	वाद्य उद्घोष
प्रातः 6.00 बजे	:	सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, जिनाभिषेक, शांतिधारा पश्चात
प्रातः 7.00 बजे	:	महायागमंडल आराधना
दोपहर 1.00 बजे	:	माँ शासन देवी पदमावती दिव्य आराधना नहावन, सोलह श्रृंगार, पूजन, गोदभराई, चौबीस भुजा अर्घावली सहस्त्रनाम, कुमकुम अर्चन आरती
सायं 7.00 बजे	:	आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिव्य स्थापना
सोमवार, 08 जुलाई 2024

प्रातः 5.30 बजे	:	नित्याभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.00 बजे	:	वेदी मुखोद्घाटन, वेदी पर पीठ पद वास्तु विधान, जिनबिम्ब स्थापना विधि, सिंहासन स्थापन, प्रतिमा स्थापन, छत्र, भामण्डल, चंवर आदि उपकरण स्थापन
सुबह 10.30 बजे	:	हवन पूर्णाहूति क्षमापना
सुबह 11.30 बजे	:	महामस्तकाभिषेक पूजन
सायं 7.00 बजे	:	आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

सादर आमंत्रण

सम्यक्त्व गुण महिमा मंडित महानुभावों
सादर जय जिनेन्द्र।

श्रद्धा की बुनियाद पर बनी लाखों जीवों के सम्यक्त्व का वर्धन करती हुई जिनालय की ईमारत जिसे आगम में चैत्यालय (मंदिर) के नाम से जाना जाता है। आज से साढ़े तीन दशक पहले हमारे पूर्वजों ने एक जिनालय की स्थापना कर उसमें मूलनायक वेदी एवं उस पर भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की विशाल जिन प्रतिमा की स्थापना करके आराधना का केंद्र बनाया.....। समय की मांग के कारण प्राचीन वेदी के जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण का कार्य प्रारंभ होकर पूर्ण हो चुका है।

साथ ही नई सात जिन प्रतिमाओं का आगमन भी हुआ। अतः त्रिदिवसीय आयोजन के माध्यम से भव्य वेदी प्रतिष्ठा एवं जिनबिम्ब स्थापन महोत्सव दिनांक ६ से ८ जुलाई २०२४ तक होने जा रहा है।

यह महोत्सव आंतरिक रस से सराबोर कराने वाला है..... आध्यात्मिकता की सुरभि में नहाने का सुअवसर है.... एक अनमोल घड़ी है.....

एक अनमोल अवसर है...... एक अनमोल इतिहास है..... जो आपकी प्रतीक्षा कर रहा है.... अतः महाअर्चना के अमूल्य पलों में आत्मीय आमंत्रण स्वीकार कर और पधारकर अक्षय वृक्ष की स्थापना करें..... अवश्य पधारें........

दिशा निर्देशन

स्वस्तिश्री सिद्धांतकीर्ति जी भट्टारक महास्वामी
(श्रीक्षेत्र आरतीपुर, कर्नाटक)

महोत्सव के प्रतिष्ठाचार्य

ओजस्वी एवं प्रखर वक्ता
डॉ. आनन्द प्रकाश शास्त्री, कोलकाता

संगीतकार :
सचिन एंड पार्टी, भोपाल

सहयोगी विधानाचार्य

पं. संदीप शास्त्री
बंगवासी, हावड़ा

कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में पधारकर धर्म प्रभावना करें।

महोत्सव के ध्वजारोहण कर्ता

सुभाष कुमार-माया देवी, तरुण-विजेता, सचिन-वीना जैन काशलीवाल परिवार - हावड़ा (रफीगंज वाले)

महोत्सव के दीप प्रज्ज्वलन कर्ता

स्व. श्री जेठमल जी-विमला देवी, जूली, राजेश, श्रेया, सक्षम पाटनी परिवार - गौरीपुर

वेदी उद्घाटन के पुण्यार्जक परिवार

श्रीमती वर्षा-राजेश, रौनक, रोशन पहाड़िया परिवार

महोत्सव के प्रमुख पात्र

सौधर्म इंद्र

अशोक-ललिता पहाड़िया, हावड़ा

यज्ञनायक

संदीप-सुमन काला, हावड़ा

धनपति कुबेर

अनिल-दीपिका पाटनी, हावड़ा

ऐशान इंद्र

विजय-सुमित्रा छाबड़ा, हावड़ा

सनत कुमार इंद्र

निर्मल-कुसुम छाबड़ा, जंगीपुर वाले हावड़ा

माहेन्द्र इंद्र

जम्बू कुमार-सुनीता पाटनी, हावड़ा

1008 श्री आदिनाथ भगवान स्थापनकर्ता

सुनीता-रविन्द्र, मोनिका-धर्मेन्द्र, अनुष्का-जितेन्द्र, दीक्षा, विद्या, रुतवी, पावित, रियांश एवं जयेश छाबड़ा परिवार, जंगीपुर-हावड़ा

1008 श्री पद्मप्रभु भगवान स्थापनकर्ता

स्व. मदनलाल जी-कमला देवी, पुत्र- अरुण-अनिता, नरेन्द्र-सीमा, सुरेन्द्र-संगीता, देवेन्द्र-मीना, पौत्र- अमन, आयुश, अक्षत पाटनी परिवार - हावड़ा (दक्षिण)

1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान स्थापनकर्ता

श्रीमती लक्ष्मी देवी-हुकुमचंद, संजय-राजीव, सोनिया, सलोनी बगड़ा परिवार-हावड़ा

1008 श्री पुष्पदंत भगवान स्थापनकर्ता

स्व. श्री कुन्दनमल जी, विमल-शशि, सुरेंद्र-किना एवं समस्त गंगवाल परिवार-हावड़ा

1008 श्री वासुपूज्य भगवान स्थापनकर्ता

स्व. श्री घीसाराम जी, संदीप-सुमन, दीपक, रौनक, महक एवं समस्त काला परिवार हावड़ा (दक्षिण)

1008 श्री शांतिनाथ भगवान स्थापनकर्ता

श्रीमती किरण देवी-हुकुम कुमार, नेहा-जिनेन्द्र, कृतिका, निशिका गंगवाल परिवार

1008 श्री मल्लिनाथ भगवान स्थापनकर्ता

स्व. केशरीमल-मैना देवी, अशोक कुमार-अरुणा, अरविंद-सोनिका, आशीष-मुक्ता, हंसवी, वरांग, रिद्धिश, तनन काला परिवार - दांता-हावड़ा

1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान स्थापनकर्ता

स्व. नेमीचंद-कमला देवी, प्रवीण-नीलम, नवीन-सुनीता, सुनीत-पिंकी, अनिल-सीमा, एवं समस्त बज परिवार, हावड़ा

1008 श्री नेमीनाथ भगवान स्थापनकर्ता

गुरुमां राजुल के श्रद्धावनत परिवार श्री संतोष-मंजु, धीरज-सुनयना, तृषा-तनिष सेठी, हावड़ा (दक्षिण)

1008 श्री मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान स्थापनकर्ता

श्रीमती अनिता-कमल, नेहा-विशाल, पनव, ईशानी काला - हावड़ा जीविता-मनीष, मायरा, हेयांश परिवार

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान फण वाली (धातु) स्थापनकर्ता

महेन्द्र-पदमा, तरुण-प्रियंका, विवान, वाणी पाटोदी परिवार

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान छोटी प्रतिमा स्थापनकर्ता

श्रीमती अमराओ देवी, अतुल, अरुण, अशोक, अजीत, अनिल पाटनी परिवार - हावड़ा

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान विधिनायक स्थापनकर्ता

श्रीमती प्रेमलता, राजिका-जयन्त, निर्जरा, वत्साला बड़जात्या परिवार

1008 महावीर भगवान स्थापनकर्ता

नेमीचंद जी-गुणमाला देवी, मुकेश-सीमा, नवीन-माया एवं समस्त काला परिवार-हावड़ा

श्री चौबीसी भगवान को विराजमान हेतु पुण्यार्जक परिवार

श्री रतनलाल, धर्मचंद, पदमचंद
पवन कुमार, मनोज कुमार,
एवं समस्त मोदी परिवार

श्री श्रुत स्कंध यंत्र विराजमानकर्ता

श्री पद्मावती माता पाषाण प्रतिमा के स्थापनकर्ता

कंवरीलाल-किरण देवी, राजू-इंद्रा, दीपक-कल्पना, अरिहन्त-नेहा, दीपिका, यशस बगड़ा परिवार, हावड़ा

श्री पद्मावती माता धातु प्रतिमा स्थापनकर्ता

श्रीमती मीनू-अभय, कथानसी, संयम पाटनी परिवार

आदिनाथ भगवान के ऊपर छत्र चढ़ाने का पुण्यार्जक परिवार

स्वदेश-सुमन, रजत-रुपांशी - कोलाघाट वाले, हावड़ा

श्री पद्मप्रभु भगवान के ऊपर स्वर्ण छत्र चढ़ाने का पुण्यार्जक

स्वदेश-सुमन, रजत-रुपांशी - कोलाघाट वाले, हावड़ा

श्री पुष्पदंत भगवान के ऊपर स्वर्ण छत्र चढ़ाने का पुण्यार्जक

श्रीमती मैना देवी-पदम चंद, सीमा-अनिल, दर्शना, दीवा पाण्ड्या परिवार एवं अलका-राजेश, ऋषिका-नितिन परिवार

श्री वासुपूज्य भगवान प्रतिमा पर छत्र पुण्यार्जक

गुप्त दातार

श्री मल्लीनाथ भगवान प्रतिमा के लिए स्वर्ण छत्र पुण्यार्जक

श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान प्रतिमा के लिए स्वर्ण छत्र पुण्यार्जक

स्व. श्री महावीर जी पहाड़िया-श्रीमती पुष्पा देवी, कमल कुमार-सुनीता, मनोज-शोभा, प्रभात-ममता, नीरज-नेहा, कुशाल, निष्ठा, कीर्ति, पृथ्वी पहाड़िया, अंजली-आदित्य परिवार

श्री नेमीनाथ भगवान प्रतिमा के लिए स्वर्ण छत्र पुण्यार्जक

श्रीमती अनिता-कमल, नेहा-विशाल, पवन, ईशानी काला, जीविता-मनीष, मायरा, देवांश परिवार

श्री महावीर भगवान प्रतिमा के लिए स्वर्ण छत्र पुण्यार्जक

श्रीमती मंजू-कमल, चारु-विनीत, साक्षी-विनय, स्नेहा, सौरभ, हार्दिक, सनाया, श्रेयांशी, निष्कर्ष, तनय बड़जात्या परिवार

श्री आदिनाथ भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

स्व. आशा देवी-रविन्द्र कुमार, श्रीमती सुमन, स्वदेश-नीतु, दिनेश-आरती, स्वरजीत, बबिता (दिवंगत विनोद जैन) ज्योति-दिलीप, पारस, रजत, संस्कार, रूपांशी, मयंक, पुष्कर एवं शुभ जैन कोलाघाट वाले, हावड़ा

श्री पद्मप्रभु भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

गुप्त दातार

श्री पुष्पदंत भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्रीमती किरण देवी-रतनलाल, राखी-मयंक गंगवाल एवं हर्ष, विपिन, समीक्षा, खुश परिवार

श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्री वासुपूज्य भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्री मुनि नेमिनाथ भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्रीमती मैना देवी, मीनू-अभय, संयम पाटनी एवं श्रीमती सरिता-सुरेन्द्र, सौरभ काला परिवार

श्री पारसनाथ भगवान फन वाली प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

स्वर्ण सौभाग्यवती

खुशबू काला, मुक्ता काला, भाग्यश्री छाबड़ा, नेहा काला, हर्षना पाटनी, आशा सरावगी

मांगलिक अष्टकन्या

हंसवी काला, अदिति जैन, आस्था जैन, महक जैन, पूर्वी कासलीवाल, इशिका पाटनी, वनिशा काला, सनाया जैन

श्री महावीर भगवान प्रतिमा के लिए भामंडल पुण्यार्जक

श्रीमती गुणमाला देवी, पारस कुमार, सुधा-पवन, सीमा-मनोज, अंकिता-पीयूष, आस्था-रौनक, दर्शना-सौरभ, तक्ष एवं अरिका पाण्ड्या परिवार

स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह पुण्यार्जक
श्रीमती कांता-नरेश, नंदा-विनोद पहाड़िया परिवार, हावड़ा

आयोजक एवं निवेदक :

सकल दिगम्बर जैन समाज, हावड़ा (दक्षिण)

संपर्क : पंडित संदीप कुमार जैन शास्त्री - मो. 9874872427

नोट : बाहर से आगत अतिथियों का भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था है।